जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 153 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 5 अप्रैल, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अब तक का सबसे ज्यादा हिंसा प्रधान चुनाव होगा, बंगाल में

ममता बनर्जी इस बार राजनीतिक वातावरण को विषाक्त बना रही हैं, एक के बाद एक नई कहानी गढ़ कर प्रचारित करके

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। बंगाल में बढ़ते तापमान और असहनीय उमस के साथ-साथ चुनाव प्रचार भी गर्माता जा रहा है।

राजनीतिक दलों द्वारा फैलाए जा रहे झूठ, और खासकर वे, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी फैला रही हैं, हैरान कर रहे है। बंगाल की महिलाओं को संबोधित करते हुए, ममता ने कहा है कि भाजपा ''लक्ष्मी भंडार'' योजना के तहत उनके बैंक खातों में जमा पैसे चुराने या हड़पने की साजिश रच रही थी।

- **महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, अगर कोई अजनबी उनसे उनके बैंक अकाउण्ट की ''डिटेल'' पूछे तो कतई मत दीजिए, क्योंकि आपके बैंक के खाते की डिटेल्स लेकर, भाजपा आपके एकाउण्ट में बंगाल की सरकार ने जो पैसा ''लक्ष्मी भण्डार'' योजना के तहत जमा करवाया है, वह निकाल लेगी।**
- **इससे पहले, एक के बाद एक आमसभा में, मंच से मु.मंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अगर भाजपा प.बंगाल में सत्ता में आ गई तो ''मछली व मांस के सेवन पर प्रतिबंध लगा देगी।''**
- **शायद ममता बनर्जी इन कहानियों को प्रतिपादित करके, कांग्रेस व भाजपा को रक्षातमक मुद्रा में लाना चाहती हैं और ये राजनीतिक पार्टियों, तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ प्रचार करने में असमर्थ हो जाएंगी, उनका परिश्रम तो अपनी पार्टियों के खिलाफ चलाए जा रहे मिथ्या प्रचार का जवाब देने में ही चला जाएगा।**

बात को घुमाने की महारथी ममता महिलाओं को चेतावनी दे रही हैं कि वे अपने बैंक खाते का विवरण उन अजनबियों को न बताएं, जो यह दावा कर रहे हैं कि वे पश्चिम बंगाल सरकार के हैं। उनका कहना है कि जैसे ही विवरण उपलब्ध होंगे, भाजपा उनके पैसे निकाल लेगी।

साथ ही, वे यह भी कह रही हैं कि सत्ता में आने पर भाजपा मीट, मछली, अंडा पर प्रतिबंध लगा देगी। ममता यह संदेश लगातार सार्वजनिक सभाओं में फैला रही हैं ''न मछली, न मीट।'' '' इस तरह के सीधे और बेतुके हमलों का सामना करते हुए, अन्य राजनीतिक दल, जिनमें भाजपा भी शामिल है, टीएमसी पर हमले करने के बजाय, संकट प्रबंधन की स्थिति में दिख रहे हैं।

यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी बातें सुन रहे लोग वास्तव में उन्हें कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। स्थिति जो भी हो, लेकिन परिस्थितियां बंगाल में लगातार आक्रामक होती जा रही हैं। ऐसे में, इस बार भी चुनावों के हिंसक होने का डर है।

जैसा कि पहले होता आया है, ममता यह कहानी चला रही हैं कि भाजपा बंगाल की संस्कृति के अनुकूल नहीं है। अगर यह पहले उचित रूप से प्रसारित किया गया होता, तो भाजपा के बंगाल विंग में कुछ ऐसे जिद्दी बंगाली भी हैं, जो बंगाल की संस्कृति के लिए खड़े और अड़े हुये हैं। भाजपा के राज्य अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य उनमें से एक हैं, जो एक सच्चे बंगाली हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओलावृष्टि व बारिश से राजस्थान में फसलें तबाह

नई दिल्ली, 04 अप्रैल। मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। देश के एक बड़े हिस्से में अचानक आए इस बदलाव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में कई राज्यों में तेज आंधी-तूफान के साथ भारी ओलावृष्टि और बिजली कड़कने की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

- **मौसम विभाग ने समूचे उत्तर भारत से मध्य भारत तक भारी बारिश और अंधड़ की चेतावनी दी।**

मौसम विभाग ने उत्तर से लेकर मध्य भारत तक के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इन सभी इलाकों में लोगों को सावधान रहने को कहा गया है। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर के लिए भी ऑरेंज अलर्ट है, जहां भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है।

देश के कई अन्य हिस्सों में येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसका मतलब है कि वहां मौसम खराब हो सकता है और लोगों को सचेत रहने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 परीक्षा अन्ततोगत्वा रद्द हुई

परीक्षा रद्द करने के हाईकोर्ट को एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखकर खंडपीठ ने सशंय समाप्त किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 4 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2021 की परीक्षा को रद्द करने वाले एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखा है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि पेपरलीक में लिप्त हुए लोगों को हटाने की कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि आर.पी.एस.सी. में राजनीति के आधार पर चयन नहीं होना चाहिए और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए कानून लाया जाना चाहिए। कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार व अन्य की ओर से दायर अपीलों पर फैसला सुनाते हुए दिए। खंडपीठ ने गत 19 जनवरी को सभी पक्षों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

- **कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय व सदस्य मंजू शर्मा व संगीता आर्या की अपीलों को खारिज किया।**
- **हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि पेपरलीक में लिप्त आर.पी.एस.सी. सदस्यों को तत्काल हटाने की कार्रवाई शुरू करे। साथ ही यह भी देखे कि आर.पी.एस.सी. में राजनीति के आधार पर चयन नहीं होना चाहिए और कानून बनाकर चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएं।**
- **पेपरलीक रद्द करवाने के लिए मूल याचिकाकर्ता कैलाश चंद शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने कोर्ट में पैरवी की थी।**

खंडपीठ ने आर.पी.एस.सी. के तत्कालीन अध्यक्ष संजय श्रोत्रिय और तत्कालीन सदस्य मंजू शर्मा व संगीता आर्या सहित अन्य की अपीलों को भी खारिज कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा आरपीएससी में सदस्य बनाई गई मंजू शर्मा व संगीता आर्या का कहना था कि उनका नाम एफ.आई.आर की चार्जशीट में गलत तरीके से जोड़ा गया है, क्योकि जिन बाबूलाल कटारा व रामूराम राईका के जिन बयानों के आधार पर हमें आरोपी बनाया गया है, वे खुद पेपरलीक के मुख्य आरोपी हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि, इंटरव्यू में किसी अभ्यर्थी को ज्यादा अंक देकर फायदा पहुंचाने की साजिश करना असंभव है, क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या बहुत ज्यादा होती है। यह किसी सदस्य को पूर्व में मालूम नहीं होता कि, कौन अभ्यर्थी कहां जाकर इंटरव्यू देगा।

वहीं अदालत ने एकलपीठ की ओर से आर.पी.एस.सी. की कार्यशैली को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में शशि थरुर के काफिले का रास्ता रोका

रास्ता रोकने वाले झुण्ड ने थरुर के सुरक्षा स्टाफ पर हमला भी किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। कांग्रेस सांसद शशि थरूर का काफिला कथित तौर पर केरल के मलप्पुरम जिले में रोका गया और उनकी टीम के एक सुरक्षाकर्मी पर हमला किया गया। यह घटना शुक्रवार को हुई।

कांग्रेस सांसद थरूर जब एक चुनावी अभियान कार्यक्रम के सिलसिले में वांडूर में जा रहे थे, तो उनका काफिला थिरुवली चेल्लीथोडु ब्रिज के पास रोका गया।

प्रदर्शन स्थल से आया एक वीडियो दर्शा रहा है कि तिरुवनंतपुरम सांसद फ्रंट सीट पर बैठे हैं और उनके वाहन के आसपास लोग घिरे हुए हैं। कुछ को चिल्लाते हुए सुना जा सकता है।

70 वर्षीय कांग्रेस नेता ने शनिवार सुबह एक्स पर इस घटना की पुष्टि की।

- **घटना मलप्पुरम जिले की है, जहाँ थिरुवल्ली पुल के पास कुछ लोगों ने थरुर के काफिले का रास्ता रोका, सुरक्षा स्टाफ से मारपीट की। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस घटना की जाँच कर रही है।**
- **थरुर ने भी एक्स पर एक पोस्ट में घटना की पुष्टि की, और सभी शुभचिंतकों का आभार जताया।**

सांसद ने एक्स पर पोस्ट किया, ''कल रात हुई अप्रिय घटना में जब मेरे सुरक्षा गार्ड पर हमला किया गया, तो उसके प्रति चिंता जताने वाले सभी संदेशों और कॉल्स ने सचमुच मेरे ह्रदय को छू लिया है वे (गार्ड) सुरक्षित हैं और मैं अप्रभावित रहा। सभी मित्रों और शुभचिंतकों का धन्यवाद।''

उन्होंने यह भी कहा कि काफिला आगे बढ़ा और उन्होंने घटना के बाद दो और कार्यक्रम सम्पन्न किए।

उन्होंने कहा, ''हमने कल निडर होकर अपने कार्यक्रम को जारी रखा और दो और कार्यक्रम योजनानुसार पूरे किए। और हमारा कार्यक्रम प्रभावित नहीं हुआ।''

सुरक्षा कर्मियों की शिकायत के आधार पर वांडूर पुलिस ने मामला दर्ज किया है, तीन लोगों को हिरासत में लिया है और दो वाहनों को जब्त किया गया है।

केदारनाथ में भारी बर्फबारी

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड), 04 अप्रैल। अप्रैल माह की शुरुआत के साथ ही मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में बीती रात से लगातार बर्फबारी हो रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में फिर से बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है। हाल ही में जिन रास्तों से बर्फ हटाई गई थी, वे एक बार फिर पूरी तरह बर्फ से ढ क गए हैं। मंदिर परिसर भी पूरी तरह बर्फ से आच्छादित हो गया है। लगातार हो रही बर्फबारी से वहां चल रहे यात्रा तैयारियों के कार्य प्रभावित हो गए हैं। मजदूरों द्वारा की गई कड़ी मेहनत पर मौसम ने पानी फेर दिया है, जिससे व्यवस्थाओं को फिर से पटरी पर लाने की चुनौती सामने खड़ी हो गई है।

- **अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को कपाट खुलने को लेकर प्रशासन में भारी चिंता।**

बताया जा रहा है कि इस बार अप्रैल में भी मौसम सामान्य नहीं है और लगातार खराब बना हुआ है। ऐसे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'केजरीवाल पर चड्ढा के खिलाफ एक्शन का दबाव डाला गया'

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने नाम गोपनीय रखते हुए भी यह भी कहा कि पार्टी का एक गुट राघव की बढ़ती लोकप्रियता से जलता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रेल। पार्टी नेतृत्व से आहत आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढ़ा ने खुद पर लगाये गये सभी आरोपों को खारिज कर दिया और पार्टी में अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसा उदाहरण पेश करें, जब उन्होंने संसदीय कार्यवाही में भाग नहीं लिया।

- **राघव चड्ढा ने भी आम आदमी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और संसदीय कार्यवाही में शामिल नहीं होने के आरोप को सरासर झूठा बताया।**
- **राघव ने कहा, संसद कर दाताओं के पैसे से चलती है, वे वहाँ काम करने जाते हैं, हल्ला करने नहीं। उन्होंने विपक्ष के वॉक आउट में शामिल नहीं होने के आरोप को भी झूठा बताया।**
- **मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के मसले पर उन्होंने कहा, उनसे किसी भी पार्टी नेता ने प्रस्ताव पर साइन करने के लिए नहीं कहा था।**
- **एक्स पर पोस्ट किए गए अपने वीडियो संदेश में राघव चड्ढा ने भविष्य की रणनीति के बारे में कोई स्पष्ट संकेत तो नहीं दिया पर धुरंधर फिल्म के डायलॉग से अपनी मंशा जता दी कि वे कुछ तो प्लान कर रहे हैं, राघव ने कहा ''घायल हूँ इसलिए घातक हूँ।''**

राज्यसभा सांसद चड्ढ़ा ने शनिवार को कहा, ''मैं संसद में प्रभाव पैदा करने जाता हूँ, शोर मचाने नहीं।'' उन्होंने आरोपों को ''झूठा'' और ''संगठित अभियान का हिस्सा'' बताया।

एक वीडियो में, चड्ढ़ा ने यह दावा खारिज किया कि उन्होंने विपक्षी बहिष्कारों में हिस्सा नहीं लिया, और इसे ''सफेद झूठ'' बताया।

अपने वीडियो को फिल्म धुरंधर की एक लोकप्रिय पंक्ति के साथ खत्म करते हुए, चड्ढा ने कहा: ''घायल हूँ, इसलिए घातक हूँ।''

उन्होंने अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी उदाहरण पेश करें, जब उन्होंने संसदीय कार्यवाही में भागीदारी नहीं की, और कहा कि संसदीय कार्यवाही सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड की जाती है। मृदु भाषी और वाक्पटु चड्ढा ने यह भी खारिज किया कि उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से संबंधित प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से मना किया।

उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प का ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम

वॉशिंगटन, 04 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय समय में यह जलमार्ग नहीं खोला गया, तो अमेरिका कड़ी कार्रवाई कर सकता है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''ट्रुथ सोशल'' पर पोस्ट करते हुए कहा कि समय तेजी से खत्म हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले ईरान को 10 दिन का समय दिया गया था, लेकिन अब यह अवधि घटाकर 48 घंटे कर दी गई है।

- **ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पहले ईरान को दस दिन का समय दिया था पर अब घटाकर 48 घंटे कर दिया है।**

होर्मुज़ स्ट्रेट वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के राजनैतिक पटल पर एक और भारतीय रिनी संपत का उदय

रिनी वॉशिंगटन डीसी के मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से प्रत्याशी बनने के लिए चुनाव मैदान में हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 अप्रैल। अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य पर एक और भारतीय अमेरिकन नेता उभर रही हैं। ये हैं 31 वर्षीय रिनी संपत, तमिलनाडु के थेनी की मूल निवासी, जो वॉशिंगटन डीसी मेयर के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं।

वे एक सरकारी ठेकेदार हैं और शहर में मेयर प्राइमरी बैलेट पर दिखाई देने वाली पहली दक्षिण एशियाई हैं।

उनका अभियान ''फिक्स द बेसिक्स'' (बुनियादी समस्याओं में सुधार) पर केन्द्रित है, जिसमें बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, कम लागत और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार का वादा किया गया है। वे खुद को राजनीतिक बाहरी के रूप में पेश कर रही हैं।

रिनी संपत एक भारतीय-अमेरिकी प्रोफेशनल और उभरती राजनीतिक हस्ती हैं, जो 2026 के वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव में हिस्सा ले रही हैं।

थेनी में जन्मीं संपत सात वर्ष की आयु में अमेरिका चली गईं। वे 31 वर्ष की हैं और एक दशक से अधिक समय से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं। प्रोफेशनल रूप से, वे सरकारी ठेकेदार और साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल के रूप में काम करती हैं।

संपत ने यूनिवर्सिटी ऑफ सादर्न कैलिफ़ोर्निया में पढ़ाई की, जहां 2015 में छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में पूरे प्रदेश का ध्यान आकर्षित किया।

युनिवर्सिटी में अपने समय के दौरान, उन्होंने कैंपस सुरक्षा, विविधता और छात्र अधिकारों की वकालत की और नस्लवाद और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई।

- **31 वर्षीय रिनी जब सात साल की थी, तब अपने परिवार के साथ तमिलनाडु से अमेरिका गईं थी।**
- **युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया में पढ़ी रिनी सम्पत वहाँ छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप काफी चर्चित थीं। वर्तमान में वे साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल होने के साथ-साथ सरकारी ठेकेदार भी हैं।**
- **अगर उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मेयर पद का प्रत्याशी चुन लिया जाता है तो वे मेयर चुनाव के मत पत्र पर नज़र आने वाली पहली दक्षिण एशियाई हस्ती होंगी।**

वे 2026 वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में भाग ले रही हैं। विशेष रूप से, वे इस पद के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवारों में शामिल हैं।

संपत खुद को पोलिटिकल आउटसाइडर के रूप में प्रस्तुत करती हैं, जो स्थापित राजनीतिक समूहों से जुड़ी हुई नहीं है। उनका अभियान ''फिक्स द बेसिक्स'' के थीम पर केन्द्रित है, जिसमें शामिल हैं: इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार (सड़कों, गड्ढ़ों की मरम्मत), पोटोमैक नदी में अपशिष्ट जल की समस्याओं का समाधान, आपातकालीन सेवाओं, जैसे 911 का रैस्पॉन्स देने के समय में सुधार। उन्होंने मौजूदा नेतृत्व की आलोचना करते हुए कहा कि शहर की सरकार बुनियादी सेवाओं में विफल रही है।

संपत के अनुसार, उन्होंने चुनाव में भाग लेने का निर्णय खराब शहर सेवाओं, जैसे बर्फीले तूफान पर रैस्पॉन्स प्रतिक्रिया, और इन्फ्रास्ट्रक्चर की विफलताओं से उत्पन्न निराशा के कारण लिया।

वॉशिंगटन डीसी में डेमोक्रेट्स का वर्चस्व है और 1975 के बाद से इस शहर में कभी भी रिपब्लिकन मेयर नहीं रहे। इसके पहले, शहर का प्रशासन अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त कमिश्नरों के बोर्ड द्वारा चलाया जाता था। कोलंबिया जिले का प्रशासन लोकप्रिय रूप से चुने गए मेयर और 13 सदस्यीय जिला परिषद द्वारा किया जाता है।

उन्होंने कहा, ''वॉशिंगटन डीसी के मेयर के रूप में मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होगी कि हमारा शहर अपने निवासियों के प्रति अपनी बुनियादी जिम्मेदारियों को पूरा करे। प्रशासन गड्ढ़ों को भरें। पोटोमैक में विनाशकारी अपशिष्ट जल रिसाव को रोके। कीमतें कम करें। 911 की प्रतीक्षा समय में सुधार करे।''

प्राइमरी चुनाव 16 जून को और आम चुनाव 3 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।

मेयर चुनाव में अन्य उम्मीदवार हैं, जनीस लुईस जॉर्ज, केन्यन मैकडफी, गैरी गुडवेदर, रॉबर्ट एल ग्रॉस और रॉन्डा हैमिल्टन।

नासिक में बड़ा हादसा

नासिक, 04 अप्रैल। महाराष्ट्र के नासिक जिले के दिंडोरी तालुका में देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। एक मारुति एक्सएल 6 कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पानी से भरे कुएं में जा गिरी, जिसमें सवार नौ लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के नौ सदस्य शामिल थे। हादसा शुक्रवार रात डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ।

- **कुएं में कार गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत।**

पुलिस के अनुसार, पीड़ित लोग डिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। इन बच्चों में सात से 14 साल की उम्र की पांच लड़कियां और 11 साल का एक लड़का शामिल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)